निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उत्तर दीजिए|

हमारे गाँव आत्मनिर्भर नहीं हैं| कहीं-कहीं स्वास्थ्य-शिक्षा तो छोड़िए, भोजन-पानी की बुनियादी सुविधाएँ भी नहीं है| इतनी असुविधाओं में जीवनयापन दुष्कर है | इसीलिए लोग गाँव छोड़कर शहरों की ओर आते हैं| वे विवशता में अपना घर छोड़ते है| कोई भी अपनी जड़ें नहीं त्यागना चाहता| जड़ों से कटकर लोगों में भावनात्मक खिन्नता भी आ जाती है | व्यक्तिगत रूप से मेरा मानना है कि हम सभ्य समाज में रहते हैं, इसलिए हमें अपने देश को गांवों और शहरों में बाँटकर नहीं देखना चाहिए | इसके लिए यह भी जरुरी है कि हमारे जो भी संसाधन हैं, सुविधाएँ या असुविधाएँ हैं, सीमाएँ या उपलब्धियाँ हैं- उनका इस्तेमाल भी बराबरी से हो| यह नहीं कि शहरों में अधिक और गाँव में कम| शहरों की पब्लिक तो रिपब्लिक के मज़े ले रही है और गाँव के गण अभी गणतंत्र से दूर हैं| गाँव और शहर की यह दूरी पाटने के लिए हमें गाँवों की ओर ध्यान देना होगा|

गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

(1) गाँवों से शहरों की ओर आने पर प्रमुख कारण क्या है?
(2) गाँवों और शहरों को बाँटकर न देखने के लिए क्या करना जरुरी है?
(3) 'गाँव के गण अभी गणतंत्र से दूर हैं' – आशय स्पष्ट कीजिए|

(4) 'कोई भी अपनी जड़ें नहीं त्यागना चाहता'- इस वाक्य में 'जड़ें' से क्या तात्पर्य है?

(5) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए|

1. **कम्प्यूटर का महत्व’ पर माइंड मैप बनाकर अपने शब्दों लिखिए|**